

## चीन-अमेरिका के बीच संबंधों का बदलता परदृश्य

### प्रलम्बिस के लयि:

चीन-अमेरिका संबंधों की बदलती गतशीलता, [एशया-परशांत आर्थिक सहयोग \(APEC\)](#), [AI \(कृतरमि बुद्धमितता\)](#), [सवचछ ऊरजा](#), विश्व व्यापार संगठन (WTO), [दक्षणि चीन सागर](#), मानवाधकार

### मेन्स के लयि:

चीन-अमेरिका संबंधों की बदलती गतशीलता, द्वपिक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्वकि समूह तथा भारत से जुड़े समझौते अथवा भारत के हतियों पर प्रभाव

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

## चरचा में क्यो?

हाल ही में [चीन और अमेरिका](#) ने अमेरिका के सैन फ्रांससिको में [एशया-परशांत आर्थिक सहयोग \(APEC\)](#) शखिर सम्मेलन के मौके पर एक द्वपिक्षीय बैठक की है, जससे चीन-अमेरिका संबंधों में बदलती गतशीलता के बारे में भारत की चतिा बढ़ गई है।

- हाल के दशकों में चीन-अमेरिका संबंधों में महत्त्वपूर्ण बदलाव और जटलिताएँ प्रदर्शाति हुई हैं, जो वर्तमान में [सहयोग](#), [प्रतसिपर्द्धा](#) तथा [तनाव](#) के मशिरण को दर्शाती हैं।

## बैठक की मुख्य बातें क्या हैं?

- सहभागतिा के नए क्षेत्र:**
  - शखिर सम्मेलन में [अमेरिका-चीन सहयोग के उभरते क्षेत्रों](#) पर चरचा हुई, वशिष रूप से [कृतरमि बुद्धमितता \(AI\)](#) को वनियिमति करने में, जो वैश्वकि AI नयिमों और तकनीकी प्रगतापर गहरा प्रभाव डाल सकता है।
- ऊरजा पर समझौता:**
  - अमेरिका और चीन ने [सवचछ ऊरजा](#) को तेज़ी से बढ़ाने, [जीवाशम ईंधन](#) को वसिस्थापति करने और ग्रह को गर्म करने वाले उत्सर्जन को कम करने के लयि एक समझौते की घोषणा की।
    - कुल मलिाकर वे [विश्व की ग्रीनहाउस गैसों का 38% हसिसा](#) हैं।
  - देश "कोयला, तेल और गैस उत्पादन के प्रतसिस्थापन में तेज़ी लाने" के इरादे से "वर्ष 2030 तक वैश्वकि स्तर पर नवीकरणीय ऊरजा क्षमता को तीन गुना करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने" पर सहमत हुए।

## हाल के वर्षों में चीन-अमेरिका संबंध कैसे रहे हैं?

- हाल के वर्षों में अमेरिका ने [अधकि टकरावपूर्ण रुख](#) अपनाया, [व्यापार युद्ध](#) शुरू कयिा, चीनी तकनीकी कंपनयियों को नशाना बनाया और चीन के क्षेत्रीय दावों को चुनौती दी। मानवाधकार संबंधी चतिाओं ने चीन और हॉन्गकॉन्ग के बीच तनाव को बढ़ा दयिा है, खासकर शनिजयिांग के संदर्भ में।
- जलवायु परविरतन जैसे वैश्वकि मुद्दों पर सहयोग की मांग करते हुए अमेरिका ने वभिन्नि मोर्चों, वशिषकर व्यापार, प्रौद्योगकिी और मानवाधकारों पर सख्त रुख बनाए रखा है।

## अमेरिका-चीन संबंधों में बदलाव पर भारत की चतिाएँ क्या हैं?

- संभावति G-2 गतशीलता:

- भारत एशिया में एक प्रमुख चीन-अमेरिकी सहयोग (जसिसे 'G-2' कहा जाता है) के उद्भव को लेकर सतर्क रहता है, जो अन्य वैश्विक शक्तियों को दरकिनार कर सकता है, जसिसे भारत के सामरिक हति प्रभावति हो सकते हैं।
- **AI वनियमन में अमेरिका-चीन की भागीदारी:**
  - भारत अमेरिका-चीन सहभागिता के नए कषेत्रों, वशिषकर **कृत्रमि बुद्धमितता (AI)** को वनियमति करने पर ध्यान केंद्रति कर रहा है।
  - इस कषेत्र में दोनों देशों के बीच संभावति समझ **वैश्विक AI वनियमों** तथा तकनीकी प्रगति को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावति कर सकती है, जसिका भारत के तकनीकी परदृश्य पर प्रभाव पड़ सकता है।
- **चीन के साथ अमेरिका के व्यापारिक संबंध:**
  - अमेरिकी कारोबारी नेताओं को पुनः चीन में आकर्षति करने के चीन के प्रयास भारत के लिये चिंता बढ़ाते हैं। यदियह सफल हुआ तो पश्चिमी पूंजी के लिये भारत के आकर्षण को कमजोर कर सकता है, जसिसे आर्थिक सहभागिता एवं नविश प्रभावति हो सकते हैं।
  - भारत यह मानकर संतुष्ट नहीं हो सकता कि 'चीन विकल्प' अब पश्चिमी व्यवसायों के लिये व्यवहार्य नहीं है।
  - पश्चिमी पूंजी के लिये भारत के प्रयास को बनाए रखना आवश्यक है, जसिके लिये पश्चिमी आर्थिक हतियों के साथ अधिक उत्पादक रूप से जुड़ने के नरितर प्रयासों की आवश्यकता है।
- **इंडो-पैसफिकि डायनेमिक्स और ताइवान मुद्दा:**
  - कषेत्रीय सुरक्षा चर्चाओं, वशिषकर **ताइवान** जैसे संवेदनशील मुद्दों पर पर्याप्त सफलताओं की कमी चिंता का वषिय है।
  - भारत **हदि-प्रशांत** पर अमेरिका-चीन वार्ता को करीब से देखता है और कषेत्रीय स्थिरता एवं सुरक्षा गतिशीलता पर इसके नहितारथ को समझता है।

## आगे की राह

- भारत को वशिष रूप से अमेरिका, चीन और रूस के बीच शक्ति संबंधों में बदलाव का लगातार आकलन करना चाहिये।
- भारत का ध्यान अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने, रूस के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों को बनाए रखने और चीन के साथ कठिन संबंधों को प्रबंधति करने के लिये नई संभावनाओं का लाभ उठाने पर होना चाहिये।
- भारत के आगे की राह में एक संतुलति और सक्रयि दृष्टिकोण शामिल है, जसिमें अपने राष्ट्रीय हतियों की रक्षा करते हुए तथा वैश्विक स्थिरता एवं प्रगति में सकारात्मक योगदान देते हुए बदलती वशिष व्यवस्था को नेवगिट करने के लिये वैश्विक साझेदारी, आर्थिक विकास, रणनीतिक पेंतरेबाजी व मजबूत कूटनीतिक लाभ उठाया जा सकता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/changing-dynamics-of-china-us-relations>

